No. of Printed Pages : 8 **BPYC–131**

B. A. (GENERAL) PHILOSOPHY (BAG)

Term-End Examination

December, 2025

BPYC–131 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 Hours *Maximum Marks : 100*

Note : *(i) Answer all the **five** questions.*

(ii) All questions carry equal marks.

*(iii) Answer to Question Nos. **1** and **2** should be in about **400** words each.*

---

1. Discuss in detail the salient features of Indian Philosophy. 20

Or

Write an essay on the Buddhist theory of dependent origination.

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

2. Explain the concept of Anumāna in Nyaya philosophy. How does Cārvak refute Anumāna as a valid source of knowledge ? 20

Or

Discuss in detail the philosophical underpinnings of the Gīta.

3. Answer any *two* of the following questions in about **200** words each :

(a) Explain Upamāna Pramāṇa in Nyāya philosophy. 10

(b) Discuss Anirvachanīya Khyātivada. 10

(c) Explain the idea of Samādhi in Yoga philosophy. 10

(d) Discuss Anekantavāda of Jainism. 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. Answer any *four* of the following questions in about **150** words each :

(a) Explain Asatkāryavāda. 5

(b) Evaluate the idea of Vivartavāda. 5

(c) Write a critical note on Anupramāna of Madhvacharya. 5

(d) Write a note on Vaiśesika's theory of creation. 5

(e) Write a note on Vedāngas. 5

(f) Write a note on the idea of liberation in Kashmir Shaivism. 5

5. Write short notes on any *five* of the following in about **100** words each :

(a) Triratna 4

(b) Bhumā Vidyā 4

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(c) Viparit Khyātivada 4

(d) Svārthanumāna 4

(e) Bhakti Yoga 4

(f) Shabda Pramāna 4

(g) Puruṣārtha 4

(h) Idea of Ultimate Reality in Saṁkara's Vedānta 4

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

BPYC–131

बी. ए. (सामान्य) दर्शनशास्त्र

(बी. ए. जी.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2025

बी.पी.वाई.सी.–131 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *(i) सभी **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

*(iii) प्रश्न क्रमांक **1** और **2** के उत्तर लगभग **400–400** शब्दों में दीजिए।*

---

1. भारतीय दर्शन की प्रमुख विशेषताओं की विस्तृत चर्चा कीजिए। 20

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

अथवा

बौद्ध दर्शन के प्रतीत्यसमुत्पाद सिद्धान्त पर एक निबन्ध लिखिए।

2. न्याय दर्शन में 'अनुमान' की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। ज्ञान के एक प्रामाणिक स्रोत के रूप में चार्वाक दर्शन अनुमान का खंडन किस प्रकार करता है ? 20

अथवा

'गीता' के दार्शनिक आधारों की विस्तृत चर्चा कीजिए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर लगभग 200–200 शब्दों में दीजिए :

(क) न्याय दर्शन में उपमान प्रमाण की व्याख्या कीजिए। 10

(ख) अनिर्वचनीय ख्यातिवाद की चर्चा कीजिए। 10

(ग) योग दर्शन में समाधि के विचार की चर्चा कीजिए। 10

(घ) जैन दर्शन के अनेकान्तवाद सिद्धांत की चर्चा कीजिए। 10

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

4. निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150–150 शब्दों में दीजिए :

(क) असत्कार्यवाद की व्याख्या कीजिए। 5

(ख) विवर्तवाद के विचार का मूल्यांकन कीजिए। 5

(ग) मध्वाचार्य के अनुप्रमाण पर समीक्षात्मक टिप्पणी लिखिए। 5

(घ) वैशेषिक दर्शन की उत्पत्ति के सिद्धान्त पर टिप्पणी लिखिए। 5

(ङ) वेदांग पर टिप्पणी लिखिए। 5

(च) काश्मीर शैव दर्शन में मोक्ष के विचार पर टिप्पणी लिखिए। 5

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर लगभग 100–100 शब्दों में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए :

(क) त्रिरत्न 4

(ख) भूमा विद्या 4

Downloaded from www.IGNOUBABA.com

(ग) विपरीत ख्यातिवाद 4

(घ) स्वार्थानुमान 4

(ङ) भक्तियोग 4

(च) शब्द प्रमाण 4

(छ) पुरुषार्थ 4

(ज) शंकर वेदांत में परम सतत् का विचार 4

× × × × ×

Downloaded from www.IGNOUBABA.com